www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
21 जुलाई 2026
वर्षः 49
अंकः 82 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

# जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

## लौट रहा मानसून, अब जमकर बरसेंगे बदरा

### इस हफ्ते होगी झमाझम, देश का दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वर्षा की उम्मीद लगाए लोगों के लिए राहत की खबर है। इस हफ्ते मानसून जोरदार वापसी करने जा रहा है। बंगाल की खाड़ी में बनने वाला कम दबाव का नया सिस्टम मानसून ट्रफ को वापस अपनी जगह पर ले आएगा, जिससे आगामी कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में भारी से बहुत भारी वर्षा होगी।

दिल्ली में भी मंगलवार से गुरुवार के बीच आंधी-तूफान और भारी वर्षा की संभावना है, जिससे दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक आ जाएगा। इसरो के इनसेट-3डीआर की तस्वीरों से भी पता चलता है कि 19 जुलाई को देश का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बादलों से ढका हुआ था।

**भारत का लगभग 60-70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका–** सेटेलाइट तस्वीरों में देश के ऊपर मानसून के बादलों की एक विशाल चादर दिखाई दे रही है, जो जम्मू-कश्मीर से लेकर गंगा के मैदानी इलाकों और पूर्वोत्तर तक फैली हुई है।

19 जुलाई को ली गई इन तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत का लगभग 60 से 70 प्रतिशत हिस्सा बादलों से ढका हुआ है। सबसे घने बादल पंजाब से उत्तर प्रदेश और बिहार होते हुए बंगाल और पूर्वोत्तर के ऊपर तक हैं।

- **जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में खतरा–** जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बहुत अधिक वर्षा होने से अचानक बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में बड़े पैमाने पर वर्षा की संभावना है। पूर्वी भारत में भी सक्रिय मानसून का असर बना रहेगा। बंगाल और सिक्किम में बहुत अधिक वर्षा का अनुमान है, जबकि बिहार, ओडिशा और झारखंड में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी वर्षा होने की संभावना है।
- **पश्चिमी भारत में कैसा रहेगा हाल–** पश्चिमी भारत में कोंकण और गोवा में बड़े पैमाने पर वर्षा होने की उम्मीद है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र के कई हिस्सों में छिटपुट वर्षा हो सकती है। दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर वर्षा होने की संभावना है, साथ ही कई इलाकों में आंधी-तूफान और तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

**संक्षिप्त समाचार**

## बांग्लादेश में अडानी की बिजली पर फिर टकराव

- बड़ा दावा, मोहम्मद यूनुस की राह पर तारिक रहमान

**ढाका (एजेंसी)।** बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी पावर प्लांट से मिलने वाली बिजली की कीमत लगभग 14.86 टका (लगभग 10.15) प्रति यूनिट है। वहीं भारत के अन्य तीन आपूर्तिकर्ताओं इंडिया और सेम्बकॉर्प की औसत कीमत महज 9.33 टका प्रति यूनिट है। इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अडानी की बिजली अन्य दूसरे आपूर्तिकर्ताओं के मुकाबले 59 फीसदी तक ज्यादा महंगी पड़ती है। इन आरोपों के बाद सवाल ये उठ रहे हैं कि वाकई

ऐसा है जो दावा किया गया है या फिर तारिक रहमान की सरकार राजनीतिक फायदे के लिए भारतीय बिजली कंपनी पर निरर्थक आरोप लगा रही है। अपना अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है। बांग्लादेशी अखबार द बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट के विश्लेषण में कहा गया है कि अडानी से खरीदे जाने वाली बिजली की लागत भारत की अन्य तीन बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों के संयुक्त औसत दर की तुलना में लगभग 59 फीसदी ज्यादा थी। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश चार भारतीय सप्लायर्स से अलग-अलग समझौतों के तहत बिजली खरीदता है। ये कंपनियां हैं अडानी पावर, विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड, सेम्बकॉर्प एनर्जी इंडिया लिमिटेड और पावर ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में अडानी से खरीदी गई बिजली औसतन 14.86 टका महंगी थी।

## सरकारी कामों के लिए बंगाली भाषा होगी अनिवार्य

- सितंबर से तैयारी, सीएम शुभेंदु अधिकारी ने की घोषणा

**कोलकाता (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में घोषणा की कि एक सितंबर से पश्चिम बंगाल में सरकार के सभी स्तरों पर बंगाली भाषा अनिवार्य होगी। सीएम अधिकारी ने विधानसभा को बताया कि राज्य सरकार के सभी तरह के कम्युनिकेशन के लिए बंगाली मुख्य भाषा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के साथ होने वाला सरकारी कामकाज बंगाली और हिंदी,

दोनों भाषाओं में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से उन्हें भेजा गया एक पत्र सार्वजनिक किया। इसमें केंद्र ने बंगाली भाषआ के महत्व पर जोर दिया था। पत्र में शाह ने सलाह दी कि बंगाली को ज्यादा प्रमुखता दी जानी चाहिए और प्रशासनिक और आधिकारिक ढांचे में इसकी सक्रिय तैनाती की सिफारिश की गई है। शाह ने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच अंतरराज्यीय प्रशासनिक चैनलों के लिए हिंदी के उपयोग को बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा, यह फैसला राज्य की प्रणाली में बंगाली भाषा को मजबूत करेंगे।

## चढ़ावा चोरी-पेपर लीक पर संसद में कोहराम

- खड़गे बोले-जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज से बच्चों की आवाज दबा रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामे के चलते कार्यवाही नहीं चल पाई। लोकसभा और राज्यसभा को छह बार स्थगित करना पड़ा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक, राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर चर्चा की मांग कर रहे थे। कुछ सांसद पोस्टर-बैनर लेकर सदन के अंदर आए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा की। खड़गे ने कहा- जंतर-मंतर पर बच्चे इकट्ठा हुए, उनकी आवाज को दबाया जा रहा। सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया। उधर हंगामे के बीच लोकसभा में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल पेश किया। दिन में सबसे पहले मोदी ने संसद के हंस द्वार पर मीडिया को 15 मिनट संबोधित किया। पीएम ने कहा- मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो-ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। संसद में तर्क के साथ चर्चा हो।

- **मोदी बोले–सत्र प्रोडक्टिव रहे, यही उम्मीद–** मानसून हो या मानसून सत्र, अगर दोनों प्रो–ऐक्टिव हों तो बहुत ही प्रोडक्टिव होते हैं। इससे देश का कल्याण होता है। इसलिए हम यही प्रार्थना करते हैं कि मानसून और मानसून सत्र प्रोडक्टिव रहे। संसद में सार्थक चर्चा होना, मिलजुलकर देश को आगे ले जाने की चर्चा होना आज के वक्त की मांग है। तर्क–तथ्य के साथ सदन की चर्चा को मजबूत किया जाए, हर आवाज को सम्मान मिले।
- **संकट के बीच भारत मजबूत रहा–** लगातार कहीं न कहीं विपरीत स्थितियां बनती रही हैं। पश्चिम एशिया का युद्ध संकट का कारण रहा। पेट्रोल, डीजल, फर्टिलाइजर्स का संकट आया, लेकिन भारत 7.7 फीसदी की विकास दर बढ़ने वाला देश रहा। लोकसभा में सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन विधेयक पेश, 2026 पेश किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या बढ़ाकर 38 होगी।

## बच्चों की मोबाइल लत पर जल्द लगेगी लगाम

### केंद्र सरकार ला सकती है स्मार्टफोन्स में 'माइनर मोड'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बच्चों में बढ़ती मोबाइल लत और ऑनलाइन खतरों को रोकने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। सरकार भारत में बिकने वाले स्मार्टफोन में डिवाइस स्तर पर ही पाबंदियां लगाने पर विचार कर रही है। इसके तहत सभी नए फोन में एक अलग माइनर मोड देना अनिवार्य किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक माता–पिता इस मोड के जरिए कई तरह के नियंत्रण कर सकेंगे।

इसमें एप डाउनलोड पर रोक लगाना, रोजाना स्क्रीन टाइम तय करना और देर रात फोन या सोशल मीडिया के इस्तेमाल को बंद करा शामिल होगा। इसके ही साथ ही हानिकारक सामग्री को फिल्टर करने और बच्चे की उम्र के अनुसार एप तक पहुंच देने का विकल्प भी दिया जा सकता है। सरकार का मकसद है कि बच्चों की सेहत ठीक रहे।

## वैष्णो देवी यात्रा पर 'मौसम' का लगा ब्रेक

- भूस्खलन से यात्रा मार्ग प्रभावित, कटरा में फंसे हजारों श्रद्धालु
- किसी ने लौटने का किया फैसला तो कोई कर रहा है इंतजार

कटरा (एजेंसी)। मौसम विभाग की चेतावनी और लगातार खराब मौसम को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोमवार को भी यात्रा स्थगित रखने का निर्णय लिया था। यात्रा बंद रहने के कारण आधार शिविर कटरा में करीब 15 से 20 हजार श्रद्धालु यात्रा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जबकि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने घरों की ओर लौटना शुरू कर दिया है। यात्रा स्थगित होने के चलते शनिवार से कटरा में रुके कई श्रद्धालु कटरा रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से अपने गंतव्य की ओर रवाना होते देखे गए। कुछ श्रद्धालु यात्रा बहाल होने की उम्मीद में ठहरे हुए हैं।

- **पारंपरिक यात्रा मार्ग भी कई जगह हुआ भूस्खलन–** रविवार देर रात हुई तेज बारिश के कारण बैटरी कार मार्ग, भैरव घाटी मार्ग तथा पारंपरिक यात्रा मार्ग के कुछ हिस्सों में आंशिक भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रभावित मार्गों को साफ करने और सुरक्षित बनाने के लिए आपदा प्रबंधन दल, श्राइन बोर्ड प्रशासन तथा सफाई कर्मचारी लगातार जुटे हुए हैं। यात्रा बंद होने के कारण दर्शनी ड्योढ़ी, बाणगंगा, चरणपादुका, अर्धकुंवारी, भवन और भैरव घाटी क्षेत्र में सामान्य दिनों की तुलना में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा।

## पुलिस हेडक्वार्टर में मृत मिले त्रिपुरा के डीजीपी

### एक साल पहले संभाला था पद, मच गया हड़कंप

**अगरतला (एजेंसी)।** त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ का शव अगरतला पुलिस हेडक्वार्टर में मिलने से हड़कंप मच गया। उनके शव को अगरतला के जीबी अस्पताल ले जाया गया। मौत के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनकी मौत के मामले में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। सूत्रों के मुताबिक, अनुराग धनकर अपने कार्यालय कक्ष में फंदे से लटके हुए मिले। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तत्काल

अगरतला के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने आगे की औपचारिक प्रक्रिया शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और कार्यालय परिसर को सुरक्षा घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी गई।

## संसद तक पहुंचे प्रदर्शनकारी पुलिस ने भांजी लाठी

- पुलिस ने अभिजीत दीपके को जंतर-मंतर से उठाया
- पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी, लाठीचार्ज किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उन्होंने सभी सांसदों से छात्रों के समर्थन में खड़े होने की अपील की है। इससे पहले, सीजेपी के समर्थक सोमवार को संसद भवन के करीब पहुंच गए।

प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। इसके बाद भीड़ तितर-बितर हो गई। जब बाहर ये हंगामा चल रहा था उस वक्त पीएम समेत सभी

सांसद संसद में मौजूद थे। सुबह प्रदर्शनकारी राजीव चौक और मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन में भी घुस गए थे। कुछ लोग बैरिकेडिंग तोड़कर पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक भी पहुंचे थे। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के सरकार के साथ बातचीत के लिए जाने के बाद अपने मार्च को अस्थायी रूप से रोक दिया है। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि बातचीत जारी रहने तक मार्च स्थगित रहेगा।

- **डिंपल यादव समेत कई अन्य सपा सांसद हिरासत में–** समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद डिंपल यादव ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में संसद से जंतर–मंतर तक मार्च निकाला। इस मार्च में डिंपल यादव समेत कई सपा सांसद शामिल हुए। इस दौरान डिंपल यादव ने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में युवाओं, किसानों और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर सरकार संवाद करने को तैयार नहीं है। मार्च के दौरान डिंपल यादव ने कहा, हम चाहते हैं कि छात्रों की आवाज सुनी जाए, क्योंकि अब हालात असहनीय हो चुके हैं। देशभर में किसान, पर्यावरण और युवा सभी परेशान हैं लेकिन सरकार किसी की सुनने और उनकी समस्याओं का समाधान करने को तैयार नहीं है।

## उत्तराखंड में बारिश: चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा अस्थायी तौर पर रोकी, दून में बाढ़ से हालात

**देहरादून :** प्रदेश में लगातार हो रही तेज बारिश और यात्रा मार्गों पर भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा का संचालन को अस्थायी तौर पर रोक दिया है। मौसम साफ होते ही यात्रा संचालित की जाएगी।

मौसम विज्ञान विभाग की ओर से प्रदेश में मौसम का रेड व ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। चारधाम यात्रा मार्ग के विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन को देखते हुए सोमवार को एहतियात के तौर पर चारधाम यात्रा का संचालन अस्थायी रूप से कुछ समय के लिए रोकने का निर्णय लिया गया। मंडलायुक्त गढ़वाल आनंद स्वरूप ने बताया कि रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी, उत्तरकाशी जिले के जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्गों पर मौजूद तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए। मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने

के बाद ही आगे की यात्रा कराई जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय केवल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्तमान मौसम व मार्ग की स्थिति के मद्देनजर एहतियाती उपाय के रूप में लिया गया है। मार्ग सुरक्षित होने और परिस्थितियां सामान्य होने पर यात्रा का संचालन फिर से शुरू कर दिया जाएगा।

**अब तक 45 लाख तीर्थयात्री कर चुके दर्शन**

चारधाम व हेमकुंड साहिब यात्रा में अब तक 45 लाख तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। हालांकि बारिश के कारण तीर्थयात्रियों की संख्या काफी कम हुई है। जून के शुरूआत में एक दिन में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 90 हजार से एक लाख तक पहुंच गई थी। वर्तमान में यह संख्या 10 हजार से भी कम है। बदरीनाथ धाम में 15.22 लाख, केदारनाथ धाम में 14.15 लाख, गंगोत्री में सात लाख, यमुनोत्री में 6.47 लाख और हेमकुंड साहिब में 2.08 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

**मूसलाधार बारिश से कहीं बाढ़ तो कहीं रास्ते बंद**

उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय होते ही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार हो रही तेज बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन से कई सड़कें बंद हो गई हैं।

देहरादून में बारिश का असर सबसे अधिक देखने को मिला, जहां मसूरी की तुलना में अधिक वर्षा दर्ज की गई। शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई, जिससे लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई कॉलोनियों में पानी घरों तक घुस गया, वहीं सड़कों पर जलभराव के जाम भी देखने को मिला। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश के चलते नदी–नालों का जलस्तर अचानक बढ़ गया, जिससे आसपास के इलाकों में खतरा बढ़ गया है।

# विकास कार्यों के लिए 51 करोड़ स्वीकृत

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून :** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विभिन्न जनपदों में हेलीपैड निर्माण, विस्तार एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं के विकास के साथ ही सड़क संपर्क, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण तथा न्यायिक एवं कारागार अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने के लिए कुल 51 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़क, हवाई संपर्क, सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन से दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, आपदा राहत एवं बचाव कार्यों को गति मिलेगी, पुलिस एवं प्रशासनिक व्यवस्थाएं अधिक प्रभावी होंगी तथा प्रदेश के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद बागेश्वर के बेड़ा-मझेड़ा (करीमपुर) हैलीपैड निर्माण हेतु 8.91 करोड़, जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड मोरी के ग्राम सुनकुण्डी (जखोल) में हैलीपैड निर्माण हेतु 1.08 करोड़ तथा विधानसभा क्षेत्र नैनीताल के अन्तर्गत डौन परेवा में हैलीपैड निर्माण कार्य किये जाने के अन्तर्गत 02 किमी. पहुंच

मार्ग व हैलीपैड साईट डेवलपमेंट हेतु प्रथम चरण में 8.30 लाख के साथ ही सहस्त्रधारा हैलीपोर्ट, देहरादून पीटीबी में विद्युतीकरण एवं सिविल कार्यों के निष्पादन हेतु अवशेष धनराशि 50 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद चम्पावत के विधानसभा चम्पावत मंच तामली मोटर मार्ग से मुख्य तोक कारी मोटर मार्ग का सुधारीकरण एवं डामरीकरण किये जाने हेतु 2.64 करोड़, जनपद अल्मोड़ा के विधानसभा क्षेत्र अल्मोड़ा के विकासखण्ड हवालबाग में लोधिया से चौगू (4.500 से 9.500 तक 5 किमी.) मोटर मार्ग का पुर्ननिर्माण एवं सुधारीकरण हेतु 3.84 करोड तथा जनपद देहरादून के विधानसभा क्षेत्र मसूरी के अंतर्गत न्यू कैंट मोटर मार्ग पर सालावाला पुल से विजय कालोनी पुल तक मार्ग को दो लेन से 10.50 मी. चौड़ाई में परिवर्तित किये जाने हेतु 16.87 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल में एसडीआरएफ पोस्ट-नैनीडांडा ग्राम उठिडागांव के निर्माण कार्य हेतु प्रथम किश्त में 1.62 करोड़, जिला कारागार, टिहरी में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हॉल (वी०सी०क्यूबिकल्स एवं आवश्यक उपकरण सहित) निर्माण हेतु 2.14 करोड की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 85.72 लाख के साथ ही पुलिस मुख्यालय के मशीन उपकरण, संयन्त्र एवं साज-सज्जा हेतु 25.00 करोड़ के सापेक्ष 15.00 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

## एहतियात के तौर पर चार धाम यात्रा अस्थाई रूप से बंद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश में लगातार हो रही भारी वर्षा, भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी रेड एवं ऑरेंज अलर्ट तथा चारधाम यात्रा मार्ग के विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए सोमवार को एहतियात के तौर पर चारधाम यात्रा का संचालन अस्थायी रूप से कुछ समय के लिए रोकने का निर्णय लिया गया है। गढ़वाल आयुक्त ने संबंधित जिलाधिकारियों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्गों पर मौजूद तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए तथा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही आगे की यात्रा कराई जाए। साथ ही मीडिया एवं अन्य माध्यमों से जनसामान्य और तीर्थयात्रियों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने के भी निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय केवल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्तमान मौसम एवं मार्ग की स्थिति के मद्देनजर एहतियाती उपाय के रूप में लिया गया है। मार्ग सुरक्षित होने और परिस्थितियां सामान्य होने पर यात्रा का संचालन पुनः शुरू किया जाएगा।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और ड्रग विभाग की कार्रवाई

देहरादून;जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने सहसपुर, बड़ा रामपुर, छोटा रामपुर, झाझरा और सुद्धोवाला क्षेत्र के मेडिकल स्टोरों पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई मेडिकल स्टोरों में गंभीर अनियमितताएं मिलने पर पांच प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद कर दवाइयों के क्रय–विक्रय पर रोक लगा दी गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सीमा डुंगराकोटी के नेतृत्व में टीम ने मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस, फार्मासिस्ट की उपस्थिति, दवाइयों के रखरखाव, एक्सपायरी दवाओं, सीसीटीवी व्यवस्था, फ्रिज की स्थिति और औषधियों के क्रय–विक्रय संबंधी अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान बालाजी मेडिकोज में फार्मासिस्ट और मालिक अनुपस्थित मिले। फ्रिज खराब था और उसमें रखी अधिकांश दवाइयां एक्सपायर मिलीं। सभी एक्सपायर दवाइयां जब्त कर स्टोर को बंद करा दिया गया। पर्व मेडिकल स्टोर में छह माह पहले एक्सपायर हो चुकी दवाइयां मिलीं और नारकोटिक्स दवाओं के बिल भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके, जिसके चलते उसे भी बंद कर दिया गया। जनता मेडिकल स्टोर में खराब फ्रिज में रखे इंजेक्शन खराब अवस्था में मिले, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। सीसीटीवी भी बंद मिला। स्टोर को सील कर दवाइयों की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। शंभु मेडिकल स्टोर में सीसीटीवी और एक्सपायर दवाओं के रखरखाव की व्यवस्था नहीं मिलने पर सभी व्यवस्थाएं पूरी होने तक संचालन रोकने के निर्देश दिए गए।

## एक नजर

### हरिद्वार जमीन घोटाला: तीन आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका स्पेशल विजिलेंस जज ने की खारिज

हरिद्वार , जमीन घोटाले में जितेंद्र कुमार, सुमन देवी और अभिषेक यादव की अग्रिम जमानत याचिका को स्पेशल विजिलेंस जज अंजलि बेंजवाल की अदालत ने खारिज कर दिया है।

तीनों ने तर्क दिया कि वे लोक सेवक नहीं हैं। ऐसे में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप नहीं बनता है। अभियोजन ने इसका विरोध करते हुए दलील दी कि तीनों आरोपियों ने पहले हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिसे उन्होंने कोर्ट से छिपाया। इसके अलावा वर्तमान में जांच चल रही है तो अग्रिम जमानत का अधिकार तीनों आरोपी नहीं रखते हैं। विजिलेंस ने पिछले दिनों छह सरकारी अधिकारियों और चार लोगों जिन्होंने जमीन बेची थी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। आरोप है कि आरोपियों ने मिलीभगत कर कृषि भूमि को अकृषि में बदलवाकर कई गुना दामों पर नगर निगम को खरीदवाया था। इससे नगर निगम को 41 करोड़ रुपये का नुकसान और स्टांप शुल्क की हानि हुई थी। यह जमीन जितेंद्र कुमार, सुमन देवी और अभिषेक यादव के परिवार से संबंधित थी। इन तीनों ने स्पेशल विजिलेंस कोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

### हाथी ने मझगांव के तीन घरों पर बोला हमला

हल्द्वानी। बनबसा में बीती रात्रि एक हाथी ने मझगांव के तीन घरों में आतंक मचा एक घर को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी के गांव में पहुंचने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। उन्होंने वन विभाग से हाथी को अन्यत्र पहुंचाने की मांग की है।

पूर्व प्रधान माला देवी ने बताया कि बीती रात्रि दो से ढाई बजे के करीब रघुवर राम, खीमा देवी और मुकेश राम के घरों के दरवाजों पर जोरदार ठोकरें मारने की आवाज से ग्रामीण दहशत में आ गए।

तीव्र ठोकर से घरों के दरवाजे खुल गए थे। ग्रामीणों ने तेंदुए के आने का अनुमान लगाया। बाद में खिड़की से झांकने पर एक अकेला हाथी दिखाई दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर हाथी कुछ समय बाद वहां से चला गया।

### संगीत सिखाने के नाम पर 12 साल की बच्ची से छेड़छाड़

रामनगर। रामनगर के एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल में शर्मसार करने का मामला सामने आया है। एक छात्रा के परिजनों ने विद्यालय के एक शिक्षक पर उनकी 12 साल की छात्रा से संगीत सिखाने के नाम पर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

रामनगर निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी 12 साल की बेटी है, जो रामनगर के एक निजी विद्यालय में पढ़ती है। आरोप लगाया कि शनिवार को विद्यालय के संगीत शिक्षक तेलीपुरा निवासी जस्टिन ने संगीत सिखाने के नाम पर उनकी बेटी के साथ छेड़छाड़ की। बताया कि जब उनकी बेटी घर पहुंची तो उसने आपबीती परिजनों को बताई। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

### सरयू नदी में 7 साल का बच्चा बहा

बागेश्वर। श्रावण के पहले सोमवार को कपकोट शिवालय के समीप से सात साल का बच्चा सरयू नदी में बह गया। पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर सर्विस और आपदा प्रबंधन की टीम खोजबीन में जुटी है। अब तक उसका पता नहीं चल सका है। शिवालय मंदिर में पूजा–अर्चना के लिए सुबह भक्तों की लाइन लगी थी। इसी दौरान शिवालय वार्ड के आणू में रहने वाली कमला देवी अपने पुत्र राकेश के साथ मंदिर आईं थी। वह भगवान शिव की पूजा अर्चना करने के लिए वह सरयू नदी से जल लेने गईं।

वह मंदिर की सीढ़ियों पर खड़ी होकर नदी से जल भर रहीं थी, तब बच्चा भी उनके साथ आ गया। जल भरने के बाद महिला रोली–चंदन को थाली में एकत्र कर रही थीं, तभी राकेश नदी से पानी भरने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नदी के तेज बहाव में बह गया। आसपास के लोगों ने बच्चे को बहते देखा तो शोर मचाना शुरू कर दिया। मंदिर में पूजा करने आए रोशन गढ़िया ने नदी में छलांग लगाकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वह काफी दूर जा चुका था।

### दिल्ली की एसी बस सेवा रद्द होने से यात्रियों में गुस्सा

हल्द्वानी। उत्तराखंड परिवहन निगम की दोपहर डेढ़ बजे चलने वाली दिल्ली एसी बस सेवा ठप होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रविवार को बस में 27 यात्रियों ने टिकट बुक कराए थे लेकिन ऐन वक्त पर रोडवेज प्रबंधन की ओर से उन्हें फोन पर बस रद्द होने की जानकारी दी गई जबकि कुछ यात्री तो बस अड्डे पहुंच गए और रोडवेज की बस सेवा पर सवाल खड़े किए।

यात्रियों को टिकट राशि रिफंड की गई है। काठगोदाम डिपो की ओर से संचालित अनुबंधित बस सेवा दो दिन से ठप है। एआरएम गणेश चंद्र पंत ने बताया कि बस स्वामी की ओर से वाहन में खराबी के बारे में बताया गया था।

# मुख्य सचिव ने दिये अधिकारियों को दिशा-निर्देश

**जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्य** सचिव श्री आनंद बर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा एवं विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दृष्टिकोण से प्रदेश में सरकारी एवं ग़ैर सरकारी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी ली एवं दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप मॉडिफाई किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों को अपना 5 वर्ष का प्लान तैयार किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालय को एक्रेडिटेशन प्राप्त किए जाने पर फोकस किए जाने की बात कही। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को सभी गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए अल्पकालीन, मध्यकालीन एवं दीर्घकालिक प्लान तैयार किए जाने की बात भी कही। उन्होंने अपनी सभी 11 यूनिवर्सिटी को मूल्यांकन एवं रैंकिंग के लिए मैकेनिज्म तैयार किए जाने की बात कही। उन्होंने सभी सरकारी एवं एडेड कॉलेज को अगले 8–10 दिन में स्टेट लेवल

रैंकिंग पैरामीटर्स तैयार किए जाने का टास्क दिया। मुख्य सचिव ने छात्र छात्राओं की ट्रेसिंग मैकेनिज्म भी तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्सेस के साथ ही इंटर्नशिप पार्टिसिपेशन को भी शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने इसके लिए विश्वविद्यालयों को इंडस्ट्री, एनजीओ और सोसाइटीज को भी जोड़े जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने विश्वविद्यालय को विदेशी भाषाओं सिखाने पर भी फोकस किए जाने बात कही। कहा कि स्वास्थ्य विभाग को भी इसमें प्रोएक्टिव होकर काम करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर सचिव डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम, अपर सचिव श्री मनुज गोयल, कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, प्रो दीवान एस रावत, प्रो नवीन चंद्र लोहानी, प्रो एन के जोशी एवं प्रो सतपाल सिंह बिष्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## अधिकारियों–कर्मचारियों के अभाव में लड़खड़ा रहा जौनपुर ब्लॉक कार्यालय

थत्यूड़ (टिहरी)। जौनपुर विकासखंड कार्यालय इन दिनों अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। टिहरी जिले के दूसरे सबसे बड़े विकासखंड जौनपुर में कई अहम पद लंबे समय से रिक्त चल रहे। इसका सीधा असर मनरेगा, ग्राम विकास, लघु सिंचाई सहित विभिन्न विकास योजनाओं के संचालन और निगरानी पर पड़ रहा है। विकासखंड कार्यालय में लेखाकार के तीन स्वीकृत पदों के सापेक्ष वर्तमान में सिर्फ केवल एक कर्मचारी कार्यरत हैं जबकि दो पद रिक्त हैं। ग्राम विकास अधिकारी के 9 पदों में से 7 पर ही तैनाती है और दो पद खाली हैं। सबसे खराब स्थिति मनरेगा अनुभाग की बनी हुई है जहां कनिष्ठ अभियंता (जेई) के 10 स्वीकृत पदों में केवल 4 पर ही तैनाती है जबकि छह पद लंबे समय से रिक्त चल रहे हैं। लघु सिंचाई में दो पदों के सापेक्ष केवल एक कर्मचारी कार्यरत है इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारी और पत्रवाहक का एक–एक स्वीकृत पद भी रिक्त चल रहा है।

अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी के कारण निर्माण कार्यों की निगरानी, भुगतान संबंधी प्रक्रियाएं, ग्राम पंचायतों के विकास कार्य और लघु सिंचाई योजनाओं का कार्य धीमी गति से चल रहा है। जौनपुर विकास मंच के उपाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत, महामंत्री खेमराज भट्ट का कहना है कि अधिकारियों और कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर डीएम व सीडीओ को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई।

## कांवड़ यात्रा सुरक्षित संपन्न कराने के लिए बनाएं व्यवस्था : डीएम

नई टिहरी। कांवड़ मेला शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं चाकचौबंद करने के निर्देश दिए गए हैं। डीएम नितिका खंडेलवाल और एसएसपी श्वेता चौबे ने अधिकारियों को आगामी 30 जुलाई से 10 अगस्त तक चलने वाले कांवड़ यात्रा की व्यवस्था संभालने के लिए अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने कहा कि कांवड़ मेले में प्रतिवर्ष बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सभी तैयारियां समय से पूरी करें। चंद्रभागा और खारास्त्रोत पार्किंग स्थलों पर विद्युत, पेयजल, शौचालय, प्रकाश आदि सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएं। एसडीएम को विद्युत विभाग, मुनिकीरेती, तपोवन कांवड़ क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट और सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से चेन लगाने, पहले से लगे सुरक्षा उपकरणों की जांच करने और नीर वाटर फॉल को बंद करने को कहा गया है। कांवड़ मेले के दौरान सभी होटल, ढाबों और रेस्टोरेंटों का नियमित निरीक्षण करने, रेट लिस्ट चस्पा कराने और सफाई चाक–चौबंध रखने के निर्देश दिए। एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि कांवड़ मेले के दौरान सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

### उच्च प्राथमिक स्कूल मैड में डेढ़ साल से नहीं है विज्ञान का शिक्षक

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक में दशज्यूला पट्टी के राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल मजेपुर मैड में डेढ़ साल से विज्ञान विषय का शिक्षक नहीं है जिससे छात्राओं की पढ़ाई खासी प्रभावित हो रही है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि स्कूल में डेढ़ साल पहले एक शिक्षक ने ज्वाइनिंग दी थी लेकिन वह एक दिन से ज्यादा उस स्कूल में नहीं रहे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से मैड में पदोन्नत होकर आए शिक्षक को किसी नजदीक स्कूल में अटैच किया गया है। बताया गया कि 19 जून 2026 को शिक्षा निदेशालय से एक आदेश जारी किया गया था जिसमें सभी शिक्षकों को संबद्ध स्कूलों से मूल विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन अभी तक भी शिक्षक अपने मूल विद्यालय मैड नहीं पहुंच पाया है। इसका खामियाजा छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है।

# गोदियाल पर लगाया धनराशि की बंदरबांट का आरोप

देहरादून। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि बीकेटीसी अध्यक्ष पद पर रहते हुए गोदियाल ने मंदिर समिति के कोष से चढ़ावे व दान से एकत्रित पैसे की खूब बंदरबांट की। अपने विधानसभा क्षेत्र में व्यक्तिगत लोगों को 25 हजार से पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी।

भाजपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता में द्विवेदी ने कहा, मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच चल रही है और जो भी दोषी पाया गया, उसे किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन गोदियाल बिना तथ्यों व प्रमाणों के झूठे आरोप लगाकर जांच प्रभावित करने और दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

# मसूरी–देहरादून मार्ग पर भूस्खलन का खतरा बरकरार

देहरादून। पहाड़ों की रानी मसूरी में लगातार हो रही बारिश के चलते मौसम में ठंडक बढ़ गई है। यहां पांच जुलाई से रुक–रुक कर हो रही बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। लगातार बारिश के कारण मसूरी–देहरादून मार्ग पर कोल्हूखेत पानीवाला बैंड के पास सड़क का एक हिस्सा धंस गया। सड़क पर मोटी दरारे पड़ गई, हालांकि मार्ग पर आवागमन तो जारी है, लेकिन सड़क की स्थिति को देखते हुए कभी भी बड़ा हिस्सा धंसने का खतरा बना हुआ है।

सड़क धंसने के कारण वाहन चालकों को अत्यधिक सावधानी बरतनी पड़ रही है। यदि बारिश का सिलसिला इसी तरह जारी रहा तो सड़क को और अधिक नुकसान पहुंच सकता है, जिससे मसूरी का देहरादून मार्ग से यातायात प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय निवासी धर्मेंद्र सिंह, गौरव रावत ने बताया कि संबंधित विभाग को जल्द स्थायी मरम्मत करानी चाहिए,

ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में छोटे–छोटे भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आ रही हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है, जबकि पर्यटकों को भी मौसम के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और शाम के समय तापमान में गिरावट आने से ठंड का अहसास बढ़ गया है।

बारिश के चलते बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल–पहल देखने को मिल रही है। कई लोगों के दैनिक कार्य प्रभावित हुए हैं और निर्माण कार्य भी लगभग ठप पड़े हैं।

## लालपुल–भुत्सी मार्ग पर सड़क बहने से सीतापुर गांव का कटा संपर्क

नई टिहरी। लगातार हो रही बारिश से टिहरी जिले की अलग–अलग क्षेत्रों की नौ सड़कें भूस्खलन से बाधित हो गई हैं। सबसे अधिक प्रभावित धनोल्टी क्षेत्र का लालपुल–भुत्सी मोटर मार्ग हुआ है। वहां बादल नदी के उफान पर आने से मौडखाला के समीप लालपुल–भुत्सी मोटर मार्ग का लगभग 50 मीटर हिस्सा बह गया जिससे सीतापुर गांव का मार्ग से पूरी तरह से संपर्क कट गया। सड़कें बंद होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश से नरेंद्रनगर क्षेत्र में गुल्लर–नाई–सिलगणी–मठियाली मोटर मार्ग, शिवपुरी–देखला मोटर मार्ग, गुल्लर–नाई–निण्डाथ–कौड़ियाला मोटर मार्ग, विडोन–खांकर–सुनारकोट मोटर मार्ग, कसमोली–कुखई मोटर मार्ग, नरेंद्रनगर–किनवणी–नीर मोटर मार्ग मलबा और बोल्डर आने से यातायात के लिए बंद हो गए है। घनसाली क्षेत्र में घुत्तू–देवलग–गंगी मोटर मार्ग, दल्ला–भीमलेथ मोटर मार्ग यातायात के लिए बाधित चल रहे है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि लोनिवि और पीएमजीएसवाई विभागों की ओर से मार्गों को खोलने के लिए मशीनें लगाकर मलबा हटाने का कार्य किया जा रहा है।

## नगर पालिका पर व्यापारियों ने लगाया परेशान करने का आरोप

नरेंद्रनगर (टिहरी)। व्यापारियों ने नगर पालिका अधिशासी अधिकारी पर परेशान करने आरोप लगाया है। उन्होंने नगर क्षेत्र में पालिका की ओर से करवाए जा रहे कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं।

पूर्व पालिकाध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, दुर्गा राणा, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सूरज सिंह आर्य, जितेंद्र चांदपुरी, रवि नेगी, जयपाल, मानवेंद्र ने एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि चुनाव के बाद नरेंद्रनगर नगर पालिका का कार्यभार जब से पालिका परिषद को सौंपा गया है। तब से पालिका के ईओ की ओर से व्यापारियों और लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि लोनिवि नरेंद्रनगर की ओर से बाजार में शॉपिंग कॉम्पलेक्स में बनाई गई दुकानों के आगे लगी टाइल्स उखड़ गई है। छत पर रखी पानी की टंकियां नीचे गिर गई है। कॉम्पलेक्स के पीछे पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं होने से भवन खस्ताहाल होने लगा है। अभी तक भवन नगर पालिका को स्थानांतरण तक नहीं किया गया है।

नगर पालिका दुकानों के आगे टिनशेड बना रही है जिससे अन्य दुकानदार प्रभावित हो रहे हैं। कुमारखेड़ा में सार्वजनिक शौचालय को तोड़ा गया है।

# संतला देवी मंदिर के पास उफनती नदी के बीच टापू पर फंसे सात लोग

देहरादून। थाना कैंट क्षेत्र के अंतर्गत संतला देवी मंदिर के समीप नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से सात लोग नदी के बीच बने टापू पर फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सीसीआर, देहरादून के माध्यम से एसडीआरएफ को सूचना मिली कि लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है, जिससे सात व्यक्ति चारों ओर से उफनती धारा के बीच बने टापू पर फंस गए हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट सहस्त्रधारा से उप निरीक्षक

राजबर राणा के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि नदी का बहाव अत्यधिक तेज था और फिसलनयुक्त तट के कारण हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे। फंसे हुए लोग स्वयं बाहर निकलने में असमर्थ थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ ने सिविल पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। प्रशिक्षित जवानों ने विशेष रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से तेज बहाव के बीच सुरक्षित तरीके से टापू तक पहुंच बनाई और सुनियोजित अभियान चलाकर सभी सात लोगों को एक–एक कर सुरक्षित नदी से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

## संक्षिप्त समाचार

### शिविर में 81 लोगों ने कराई जांच

श्रीनगर गढ़वाल : सेवा, सुशासन एवं समर्पण सेवा सप्ताह के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कीर्तिनगर में आयोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य शिविर के दूसरे दिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के द्वारा 81 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जबकि किशोरियों के लिए एचपीवी टीकाकरण की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। सीएचसी प्रभारी डॉ. आकाश दीप ने बताया कि शिविर में मेडिसिन में 22, स्त्री एवं प्रसूति रोग 6, हड्डी रोग 15, दंत रोग 5, नाक-कान-गला के 8, नेत्र रोग 10, सर्जरी में 15, आयुष ओपीडी में 25 तथा बालरोग ओपीडी में 10 मरीज पहुंचे। इसके अलावा दो गर्भवती महिलाओं की जांच, 6 दिव्यांग प्रमाणपत्र बनाये गए व 27 लोगों का एक्स-रे किया गया। शिविर में मरीजों को परामर्श के साथ निःशुल्क दवा भी दी गई। डॉ. आकाशदीप ने बताया कि शिविर में जिला अस्पताल टिहरी और राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की ओर से सेवा दी जा रही है। (एजेंसी)

### बारिश से नालियां चोक, लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर क्षेत्र में चोक नालियां लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई हैं। बरसात होते ही नालियों का पानी सड़कों पर फैल जाता है जिससे जगह-जगह गंदगी पसर जा रही है। सबसे अधिक दिक्कत नर्सरी रोड के निचले हिस्से में है। जहां प्लास्टिक कचरा, सीवर और कीचड़ सड़क पर फैलने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सोमवार को भी बारिश से नर्सरी रोड पर रेलवे पुल के समीप यह समस्या बनी रही। अल्केश्वर महादेव मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को भारी दिक्कतें हुईं। बाद में नगर निगम के पर्यावरण मित्रों ने यहां पहुंचकर गंदगी साफ की। लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभाग से नालियों की सफाई कराने तथा जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की। वहीं नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त रविराज बंगारी ने बताया कि निगम की ओर से इस समस्या का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से प्लॉस्टिक व कूड़ कचरा नालियों में न फेंकने की अपील की। (एजेंसी)

### मंजाकोट-बंदासा मार्ग पर बना हुआ दुर्घटना का खतरा

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर का मंजाकोट-बंदासा मार्ग की बदहाल स्थिति से ग्रामीणों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बरसात के दौरान सड़क पर बने गहरे गड्ढों और उभरे नुकीले पत्थरों के कारण वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी जोखिम भरा हो गया है। आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पीएमजीएसवाई के तहत बजट स्वीकृत होने पर भी सड़क पर डामरीकरण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। (एजेंसी)

### 24 अगस्त से शुरू होगा नाटक विरासत का मंचन

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र के सहनिदेशक महेंद्र सिंह पंवार को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली से एक प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला का प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट प्राप्त हुआ है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय देश का सर्वोच्च एवं एशिया के सबसे बड़े सरकारी रंगमंचीय प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है। इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र में लगभग 30 से 40 दिनों की प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान मराठी साहित्यकार महेश एलकुंचवार के चर्चित नाटक विरासत का मंचन किया जाएगा। यह नाटक भारतीय पारिवारिक रिश्तों, सामाजिक ताने-बाने, पीढ़ियों के बीच के वैचारिक संघर्ष और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित सशक्त रंगकृति है। नाटक के सह-निर्देशक केंद्र के पूर्व छात्र अंकित भट्ट हैं। कार्यशाला के समापन पर 24, 25 अथवा 26 अगस्त को नाटक विरासत का मंचन किया जाएगा। कार्यशाला निर्देशक महेंद्र सिंह पंवार ने कहा कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्राप्त यह प्रोजेक्ट विवि के लिए उपलब्धि का विषय है। (एजेंसी)

### भटवाड़ी टैक्सी स्टैंड में वाहनों का संचालन बंद

उत्तरकाशी। भटवाड़ी टैक्सी स्टैंड के वाहन चालकों ने पुलिस पर उनके एक साथी के साथ गंगोत्री जाते हुए हर्षिल में मारपीट का आरोप लगाया है। विश्वनाथ जीप कमांडर कल्याण समिति से जुड़े चालकों ने हर्षिल पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। उसके बाद एसपी सहित जिलाधिकारी कार्यालय शिकायत लेकर पहुंचे लेकिन उचित आश्वासन न मिलने उन्होंने स्टैंड से वाहनों का संचालन बंद कर दिया है। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों के पुलिस के पक्ष में बयान जारी किए गए हैं। उसे टैक्सी स्टैंड पदाधिकारियों ने नकार है।

भटवाड़ी टैक्सी स्टैंड के उपाध्यक्ष विश्वनाथ भंडारी ने बताया कि बीते रविवार को उनके स्टैंड से चालक अरविंद सवारी लेकर गंगोत्री धाम के लिए रवाना हुआ था। उसके साथ हर्षिल पुलिस की ओर से मारपीट की गई। वहीं, अब चालक का जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। वाहन चालक अरविंद ने आरोप लगाया कि हर्षिल में पुलिस की ओर से चेकिंग के दौरान उसे रोककर एसआई सहित कुछ पुलिसकर्मियों ने उससे मारपीट की। साथ ही पुलिस ने वाहन से कूदने के लिए उकसाया। इस दौरान वह अपने को बचाने के लिए वाहन से कूदने के बाद नदी में जा गिरा। किसी प्रकार उसे नदी के बीच से निकालकर हर्षिल अस्पताल पहुंचाया गया।

### जन सेवा शिविर में ग्रामीणों ने उठाई बाढ़ सुरक्षा

उत्तरकाशी। सेवा, सुशासन, समर्पण के तहत सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को विकासखंड मोरी के राजकीय इंटर कॉलेज टिकोची में जन सेवा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों ने टिकोची में बाढ़ सुरक्षा कार्य कराने, राजस्व उपनिरीक्षक चौकी टिकोची खोलने और आराकोटझ्र चिवां मोटर मार्ग की स्थिति सुधारने की मांग उठाई।

ब्लॉक प्रमुख रणदेव राणा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। शिविर में कुल 16 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 5 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने क्षेत्र में नेटवर्क सुविधा दुरुस्त करने, बरनालीझ्रझोटाड़ी मोटर मार्ग के अधोमानक निर्माण कार्य की जांच कराने, सिंचाई गूल निर्माण और ग्राम आराकोट मध्य नकोट में आंगनबाड़ी भवन निर्माण सहित अन्य समस्याएं उठाईं। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने 17 और आयुष विभाग ने 21 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां वितरित कीं। बाल विकास विभाग ने 17 लोगों को योजनाओं की जानकारी दी, जबकि पशुपालन विभाग ने 10 लोगों को विभागीय योजनाओं से अवगत कराया।

# सड़क पर गोवंश, आमजन की बढ़ी चुनौती

कोटद्वार में गिवईस्रोत पुल पर बैठा निराश्रित गोवंश का झुंड

**कोटद्वार शहर की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या**
**राह चलते लोगों के साथ ही काश्तकारों के लिए मुसीबत बनें गोवंश**

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार की सड़कों पर लगातार बढ़ रही गोवंश की संख्या आमजन की चिंता बढ़ा रही है। लेकिन, सरकारी सिस्टम जनता की इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। पिछले एक माह के भीतर गोवंश दस से अधिक राहगीरों को घायल कर चुके हैं। यही नहीं तीन से अधिक लोग गोवंश के हमले में अपनी जान तक गंवा चुके हैं। चौंकाने वाली बात तो यह है कि लगातार शिकायत के बाद भी आज तक नगर निगम ने गोवंश सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई तक नहीं की। ऐसे में कैसे समस्या का निराकरण होगा यह बड़ा सवाल है। निराश्रित गोंवश संरक्षण को लेकर नगर निगम बड़े-बड़े दावे करता है। लेकिन, धरातल की स्थिति निगम के इन दावों की पोल खोल रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य सड़कों पर बैठा गोवंश का झुंड आसानी से देखा जा सकता है। क्षेत्र की नदियों पर बने पुलों में पूरे दिन गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। जिससे राहगीरों को दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। गलियों में घूमने वाले गोवंशों के कारण बुजुर्ग व बच्चों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है। कुछ माह पूर्व झंडाचौक में गोवंश एक दुकान के भीतर घुस गया था। दुकान में बैठे व्यापारी ने भागकर अपनी जान बचाई। लगातार बढ़ रहे गोवंश की संख्या से सबसे अधिक खतरा स्कूली बच्चों को बना हुआ है। नियमानुसार, गोवंश को सड़क पर छोड़ने वालों के खिलाफ नगर निगम को कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन, आज तक नगर निगम ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। नतीजा, लोग लगातार गोवंश को सड़क पर निराश्रित छोड़ रहे हैं।

### अब तक हुई घटनाएं

कुछ माह पूर्व जौनपुर में अपने घर के बाहर खड़े एक व्यक्ति पर गोवंश ने हमला कर दिया था। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बेस अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन, कुछ दिन बात ही उपचार के दौरान व्यक्ति की मौत हो गई। काशीरामपुर तल्ला में भी गोवंश ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया था। बेस अस्पताल में प्रथमिक उपचार के बाद व्यक्ति को हायर सेंटर रेफर किया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी भी मौत हो गई थी। पटेल मार्ग में सब्जी खरीद रही महिला पर गोवंश ने हमला कर दिया था। महिला को उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। लगातार घटनाओं के बाद पूर्व सैनिक सहित अन्य संगठनों ने नगर निगम व प्रशासन से गोवंशों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की बात कही। लेकिन, आज तक निगम का यह अभियान रंग नहीं ला पाया है। सबसे अधिक परेशानी बदरीनाथ मार्ग, झंडाचौक, पटेल मार्ग, नजीबाबाद रोड, स्टेशन रोड, देवी रोड, मानपुर व भाबर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बनी हुई है।

**टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग**

## पर्वतीय ठेकेदार संघ ने दिया ज्ञापन

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** विभागीय कार्यों के आवंटन में पारदर्शिता नहीं बरते जाने का आरोप लगाते हुए पर्वतीय ठेकेदार संघ ने नाराजगी जताई है। संघ का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव में स्थानीय ठेकेदारों को नुकसान उठाना पड़ रहा है और बाहरी ठेकेदारों को अनुचित लाभ दिया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष देवेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में ठेकेदार तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी संदीप कुमार के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया कि विभागों की ओर से पंजीकृत पात्र ठेकेदारों को निविदाओं की जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा रही है, जिससे वे टेंडर प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित हो रहे हैं। ठेकेदारों ने जिला योजना और राज्य योजना के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों की जानकारी सभी पंजीकृत ठेकेदारों को उपलब्ध कराने, निविदा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरतने और किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बड़ी धनराशि के कार्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित कर निविदाएं आमंत्रित की जाएं, ताकि स्थानीय ठेकेदारों को भी अवसर मिल सके। इसके अलावा निविदा की हार्ड कॉपी जमा करने पर तत्काल लिखित रसीद उपलब्ध कराने और विभागीय कार्यालयों में ठेकेदारों के बैठने की उचित व्यवस्था की मांग भी रखी गई। इस अवसर पर भाष्कर बड़थ्वाल, आशीष रावत, जयप्रकाश रावत, राजीव कोठारी, विपिन बिष्ट, मोहन प्रसाद आदि मौजूद थे।

## मनोहर नगर में गुलदार की धमक, दहशत में शहरवासी

**जयन्त प्रतिनिधि।**

कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी इलाकों में लगातार बढ़ रही गुलदार की धमक ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शाम ढलते ही गुलदार मोहल्लों में घूमता हुआ नजर आ रहा है। बदरीनाथ मार्ग के समीप मनोहर नगर की तो यह स्थिति हो गई कि भीतर परिवार के लोग रहते हैं और बाहर गेट के समीप गुलदार खड़ा रहता है। गुलदार की यह धमक कब मानव वन्य जीव संघर्ष को अंजाम दे कुछ कहा नहीं जा सकता।

बदरीनाथ मार्ग स्थित एक घर की बाउंड्री में घूमता गुलदार

शहर में पिछले कुछ माह से गुलदार की धमक बढ़ रही है। बदरीनाथ मार्ग स्थित मनोहर नगर में गुलदार कई स्ट्रीट डॉग्स को अपना शिकार बना चुका है। वहीं अब पालतू कुत्तों पर भी हमले की घटनाएं सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल सीसीटीवी फुटेज में गुलदार घरों के बाहर बेखौफ घूमता दिखाई दे रहा है। उसकी मौजूदगी बुद्धा पार्क और राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास भी कई बार देखी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे कई बार वन विभाग को इस समस्या से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बढ़ते डर के कारण बच्चों और बुजुर्गों का शाम के समय घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार पहले गुलदार की गतिविधियां गिवईस्रोत और बुद्धा पार्क तक सीमित थीं, लेकिन अब वह घनी आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ रहा है। कुछ सप्ताह पहले सिद्धबली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक व्यक्ति पर गुलदार के हमले की घटना भी सामने आई थी। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते वन विभाग ने आवश्यक कदम नहीं उठाए, तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

## राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन

**जयन्त प्रतिनिधि।**

**कोटद्वार :** पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के तत्वावधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में युवा शक्ति और मीडिया एवं भविष्य की संभावनाएं पर कार्यशाला का आयोजन किया । गया कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित दीप प्रजवलित कर किया कार्यक्रम की अध्यक्षता पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की विभाग प्रभारी प्रो डॉ ज्योति खरे द्वारा की गई। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथि गणों तथा शहर के सोशियल मीडिया के इनफ्लुएंसरों का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उन्होंने अपने उद्बोधन में पाठ्यक्रम की महता पर प्रकाश डालते हुये छात्र–छात्राओं को प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डीएस नेगी ने शहर से आए हुए सोशल मीडिया के इनफ्लुएंसर को पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु अधिकाधित जन समुदाय को जागरूक करने का आवाहन किया इसी क्रम मैं बीजेएमसी की पूर्व विभागध्यक्ष प्रो डॉ प्रीति रानी ने पाठ्यक्रम की अवधारणा तथा इसकी आवश्यकता पर विस्तार से अपने विचार रखें तदपश्चात चक्रधर कंडवाल ने पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम की विशेषताओं और रोजगार के अवसरों पर संपूर्ण जानकारी दी अनुपम भारद्वाज ने मास कम्युनिकेशन मैं करियर की संभावनाओं पर विचार रखें। कार्यक्रम मैं छात्र संघ अध्यक्ष विकास कुमार ने अपने उद्बोधन में इस पाठ्यक्रम को अधिकाधित प्रचारित करने का आवाहन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रोफेसर आशा देवी ने भी अपने विचार रखें कार्यक्रम में प्रो डॉ वीसी शाह, डॉसुनीता नौटियाल ,डॉ मिनाक्षी वर्मा ,डॉ रश्मि बहुखंडी ,डॉ गीता, डॉ सुरेश कुमार, डॉ संजीव जुयाल, डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ मीरा कुमारी, साक्षी गुसांईं, हितेश, ऋषभ, गुंजन, अमन, रोहन राणा, सुनीता तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द दुदपुड़ी ने किया कार्यक्रम के अंत में बीजेएमसी की प्रभारी प्रो डॉ ज्योति खरे ने सभी आगतुकों अतिथियों छात्र -छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

## अलकनंदा का जल स्तर बढ़ा, खतरे के निशान से नीचे

श्रीनगर गढ़वाल : रविवार देर रात श्रीनगर सहित ऊपरी क्षेत्रों में हुई बारिश के कारण सोमवार को अलकनंदा नदी का जल स्तर बढ़ गया और अलकेश्वर घाट जलमग्न हो गया। हालांकि जल स्तर अभी चेतावनी और खतरे के निशान से नीचे बह है। सिंचाई विभाग के अनुसार सोमवार सुबह अलकनंदा नदी का जल स्तर 533.60 मीटर रिकॉर्ड किया गया जो दोपहर तक बढ़कर 533.70 मीटर पहुंच गया। नदी का जल स्तर फिलहाल चेतावनी स्तर 535 मीटर और खतरे के निशान 536 मीटर से नीचे है। विभाग लगातार नदी की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सिंचाई विभाग की अपर सहायक अभियंता अंकिता राणा ने बताया कि श्रीनगर क्षेत्र में सोमवार को 31 मिमी बारिश दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण सुबह अलकेश्वर घाट का निचला हिस्सा जलमग्न हो गया। हालांकि दोपहर बाद बारिश थमने पर स्थिति सामान्य बनी रही। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि घाटों पर सुरक्षा के लिए पुलिस टीम की ओर से नियमित निगरानी की जा रही है। उन्होंने लोगों से बरसात के दौरान नदी किनारे अनावश्यक रूप से नहीं जाने की अपील की। (एजेंसी)

## सावन के पहले सोमवार को देवालयों में उमड़ी भीड़

कोटद्वार स्थित एक शिवालय में जलाभिषेक के लिए लगी लंबी कतार

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** पहाड़ में सवान के पहले सोमवार को देवालयों में भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दिया। सुबह से ही भक्त लंबी-लंबी कतारों में खड़े हुए नजर आए। लोगों ने भगवान शिव का जलाभिषेक करते हुए अपने परिवार के लिए सुख-शांति की कामना की।

पूरे दिन मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। सावन के पहले सोमवार को लेकर लोगों में काफी उत्साह बना हुआ था। भक्तों ने उपवास रखते हुए देवालयों में पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। सावन को देखते हुए शिवालयों को मनमोहक तरीके से सजाया गया था। विभिन्न प्रकार के फूल से सजे देवालय हर भक्त को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे। कई भक्त नंगे पैर ही देवालयों की राह पर जाते हुए नजर आए। हालांकि कि, सुबह के समय हो रही वर्षा ने भक्तों की परीक्षा ली। लेकिन, यह वर्षा भी भक्तों के कदमों को नहीं डिगा सकती। मंदिर में विशेष मंत्रों के साथ भगवान शिव की पूजा की। कई देवालयों में भक्तों की लंबी-लंबी कतार लगी हुई थी। वर्षा से बचने के लिए भक्त कतारों में छाता पकड़े खड़े थे।

## छोटे मंच ही बड़े मुकाम तक पहुंचाते हैं: ऋतु

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार :** बलूनी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई नॉर्थ जोन आर्चरी चैंपियनशिप-2026 के शुभारंभ अवसर पर विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय और आसपास आयोजित होने वाली हर प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहिए, क्योंकि छोटे-छोटे मंच ही आगे चलकर बड़े मुकाम तक पहुंचने का रास्ता बनाते हैं।

विस अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा जहां व्यक्ति के बौद्धिक विकास का आधार है, वहीं खेल उसे शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत और अनुशासित बनाते हैं। इसलिए युवाओं को अपनी दिनचर्या में किसी न किसी खेल को अवश्य शामिल करना चाहिए।

महापौर शैलेंद्र रावत ने कहा कि अभिभावकों को भी अपने बच्चों के खेल के प्रति जागरूक करना चाहिए। इस अवसर पर बलूनी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन बलूनी और स्कूल की डायरेक्टर अभिलाषा भारद्वाज ने बताया कि 20 से 23 जुलाई तक आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से करीब 650 खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का बेहतर अवसर प्रदान करेगी।

## ठग ने युवक के खाते से निकाली 43500 की धनराशि

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीकोट के एक ठग की ओर से युवक के डेबिट कार्ड के जरिये नकदी निकालने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित युवक की ओर से कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। बीते 15 व 16 जुलाई को युवक के खाते से 43500 रुपये की नकदी उड़ाई गई। इस मामले में गौतम सिंह ने बताया कि वह घसिया माहदेव स्थित एसबीआई के एटीएम से नकदी निकालने गए थे। इसी दौरान उनका कार्ड एटीएम मशीन में फंस गया। इसी दौरान एक व्यक्ति अंदर आया और उसने झांसा देकर एटीएम मशीन के ऊपर लिखे एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने के लिए कहा। जब उन्होंने संपर्क किया तो जानकारी के अनुसार उन्होंने डेबिट कार्ड को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन कार्ड बाहर नहीं निकला। उसके बाद वह घर आ गए। उन्होंने बताया कि इसी रात व 16 जुलाई की सुबह उनके खाते से कई बार धनराशि की निकासी की गई। पता लगते ही उन्होंने डेबिट कार्ड ब्लॉक करा दिया। कहा कि इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।


## सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने ग्राम पनियाली तल्ली, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के खतौनी खाता संख्या 12, हाल खतौनी खाता सं0-13, के खसरा संख्या 31क मध्ये रकवा 765 वर्गफुट भूमि मौ0 यूसुफ पुत्र श्री जमालुद्दीन की पत्नी कौशर जहां तथा मौ0 यूसुफ के पुत्र, पुत्री मौ0 बिलाल, अर्शी से खरीदी है। उक्त भूमि की रजिस्ट्री जो मौ0 यूसुफ ने दौलतराम पुत्र शोभा से खरीदी थी उस भूमि रजिस्टर्ड विक्रय पत्र बही संख्या-1 जिल्द 22 के पृष्ठ 235/236 में दस्तावेज संख्या-660 दिनांक 13-02-1994 को सब रजिस्ट्रार, कोटद्वार में पंजीकृत है। उक्त भूमि की मूल रजिस्ट्री वास्तव में मुझसे कोटद्वार बाजार में दिनांक 10-05-2026 को कहीं गुम हो गयी है। जो काफी खोजने पर भी नहीं मिल रही है मैंने इसे किसी को नहीं दी है, ना ही मैंने इसे कहीं जमा की है। तथा मैंने इसे सरकारी/ गैर सरकारी बैंक अथवा किसी भी वित्तीय संस्थान में बंधक / गिरवी स्वरूप नहीं रखी है।

**मौ0 सलीम पुत्र जमालुद्दीन निवासी वार्ड नं0-05, मदीना मस्जिद के पास, लकड़ी पड़ाव, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड, मोबाईल नम्बर- 9634407786।**

(0568/21)

दैनिक जयन्त-विचार



## संपादकीय

# "स्मार्ट" से बिगड़ा मूल स्वरूप

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून को देश के उन्नत शहरों में शामिल करने की दृष्टि से 'स्मार्ट सिटी योजना" बड़े जोर शोर के साथ शुरू की गई थी जिसके लिए मोटा पैसा भी शहर के सुधारीकरण के लिए लगाया गया। आज स्थिति यह की स्मार्ट सिटी का सपना तो सरकार नहीं हुआ लेकिन स्मार्ट सिटी के लिए किए गए कार्यों के बाद तो इस शहर की दशा और भी बुरी नजर आने लगी है। जहां कुछ वर्ष पहले राजधानी देहरादून में भारी वर्षा के बावजूद भी जल भराव की स्थिति पैदा नहीं होती थी वहीं आज हालात यह बन गए हैं की जगह–जगह बारिश के कारण नदी और तालाब जैसी परिस्थितियों पैदा होने लगीहैं। लगता है जैसे मनोरम सपना देखते हुवे किसी भयानक सपना की दुनिया में प्रवेश हो गया हो। पूरे शहर की हालत जल भराव के कारण बदतर बन चुकी है। अब पता नहीं योजना बनाने में गलती थी या योजना के क्रियान्वयन में घालमेल हो गया? कम से कम अब तो दून घाटी पहले जैसी भी नहीं रही जब बारिश रुकने के तुरंत बाद पानी गायब हो जाता था। जनता अचंभित है कि आखिर स्मार्ट सिटी का काम हुआ कहां, और हुआ तो उस काम के अगर ऐसे परिणाम है तो इतने करोड़ों रुपए मिट्टी करने की जरूरत ही क्या थी? यदि भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार देखा जाए तो देहरादून का जलभराव केवल अधिक वर्षा का परिणाम नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही अव्यवस्थित शहरी योजना, नालों पर अतिक्रमण, कमजोर ड्रेनेज नेटवर्क और पर्यावरणीय उपेक्षा को इसके लिए दोषी माना जा सकता है। अनियोजित विकास ने बड़े–बड़े कंक्रीट के महल तो खड़े किए लेकिन दो इंच जमीन में जल निकासी की कोशिश नहीं की गई। जब तक प्राकृतिक जलमार्गों को पुनर्जीवित करने, अतिक्रमण हटाने, आधुनिक ड्रेनेज प्रणाली विकसित करने और निर्माण गतिविधियों को वैज्ञानिक ढंग से नियंत्रित करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक हर मानसून में देहरादून को इसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। प्रकृति की देन बारिश से जलभराव को मानव निर्मित समस्या बना दिया गया है। जो वर्तमान हालात नज़र आ रहे हैं उससे कम से कम देहरादून के मूल स्वरूप का भविष्य बड़े खतरे में नजर आ रहा है। विकास के नाम पर जो कुछ भी हुआ वह सिर्फ और सिर्फ इस एक हरे भरे शहर को विनाश के जंगल में बदलता नजर आ रहा है। अब तो हर मानसून में जलमग्न सड़कों और जाम से यहां के लोग अभ्यस्त हो चुके हैं, लेकिन इसका समाधान निकालने के लिए प्रशासनिक स्तर पर शायद आंखों के आगे अंधेरा पसरा हुआ है। यदि ऐसी ही स्मार्ट सिटी सरकार देहरादून के लोगों को या फिर राज्य के अन्य जनपदों में लागू करने की तैयारी कर रही है तो इस कल्पना को यहीं रोक देना चाहिए और जनपदों के मूल स्वरूप को ही सुधारने की कोशिश करनी चाहिए। निर्माण के नाम पर जो कुछ भी अनर्गल अनियोजित विकास की दुहाई दी जा रही है वह शहरों के विनाश का कारण बन रही है।

# साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरूआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

# ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्लविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्लिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ80 के दशक में चीन की ह्लभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ2000 के दशकआते आते उसे एक ह्लउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ॠ, एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्लमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढी६ शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्लविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

# विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु

अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ढ) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछ्श-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

## संक्षिप्त समाचार

### कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

**ओटावा, एजेंसी।** कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना: पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी: पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

### खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है।

### पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क; क्या और बिगड़ेंगे हालात?

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

# पाकिस्तान में ईसाई दंपति को ईंट भट्टे में जिंदा जलाने वाले सभी आरोपी बरी

**-भट्टा मालिक से था विवाद, दंपति पर लगा था कुरान का अपमान करने का आरोप**

**इस्लामाबाद, (एजेंसी)।** पाकिस्तान में करीब 12 साल पहले एक ईसाई दंपति को जिंदा जलाने वाले सभी आरोपियों को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया है। बता दें यह दर्दनाक घटना 4 नवंबर 2014 को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कसूर जिले में हुई थी। 26 साल का शहजाद मसीह और उसकी 24 साल की गर्भवती पत्नी शमा बीबी ईंट भट्टे पर मजदूरी करते थे। भट्टे के मालिक के साथ उनका पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। इस कारण मालिक ने उन्हें वहां से भागने नहीं दिया। साजिश के तहत, इस दंपति पर कुरान का अपमान करने का झूठा आरोप मढ़ दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद एक मौलवी ने भीड़ को उकसाया। देखते ही देखते 1000 से ज्यादा लोगों की हिंसक भीड़ वहां जमा हो गई। भीड़ ने इस बेकसूर दंपति को पहले बेरहमी से पीटा। उन्हें तड़पाया और फिर जलते हुए ईंट भट्टे की आग में फेंक दिया। इस बर्बरता के बाद शुरू में पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधी अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। कोर्ट ने पांच मुख्य आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी और 8 अन्य को जेल भेजा था, लेकिन जैसे-जैसे समय बीता ऊंची अदालतों ने सबूतों की कमी के चलते धीरे-धीरे सबको छोड़ना शुरू कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक 10 जुलाई को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बचे हुए आखिरी तीन मुख्य आरोपियों की मौत की सजा को रद्द कर दिया। कोर्ट ने दलील दी कि पुलिस ने सबूत जुटाने में बड़ी लापरवाही की और सरकारी पक्ष का केस कमजोर था। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार की उस अपील को भी खारिज कर दिया, जिसमें हिंसा में शामिल 102 अन्य आरोपियों को छोड़े जाने का विरोध किया गया था। पाकिस्तान के कैथोलिक बिशप्स कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट ने इस पर खेद जताया है। इस पर फैसलाबाद के बिशप इंद्रियास रहमत ने कहा कि मसीह और बीबी की हत्या के आरोप से बरी हुए लोगों को रिहा करना उसी पैटर्न का हिस्सा है।

## पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थी डील': इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश?

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके 'फील्ड मार्शल' का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के 'अब्राहम अकॉर्ड्स' से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

**आतंकी हमला:** अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवार: भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

## नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शा: एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ, क्या है तैयारी

**काठमांडू, एजेंसी।** नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी: नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसला: साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा।

## ईरान की दो-टूक, चाबहार पर यूएस का हमला 'युद्ध अपराध'; जंग-टकराव पर जीसीसी और अरब लीग क्या बोले?

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान ने दो-टूक लहजे में कहा है कि जंग के बीच चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी सेना का हमला स्पष्ट 'युद्ध अपराध' है। इस जंग और टकराव पर और अरब लीग की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरानी सेना की कार्रवाई की निंदा करते हुए अरब और खाड़ी देशों ने बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है। भारत में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी सेना की कार्रवाई को लेकर कहा, 'शनिवार को चाबहार स्थित ईरान के शाहिद कलांतरी बंदरगाह पर अमेरिकी हमले में निगरानी टावर नष्ट हो गया। नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ये घटना 'युद्ध अपराध' है।

शनिवार को एक्स हैंडल पर जारी एक बयान में भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए चाबहार बंदरगाह पर हमले किए। दूतावास ने संपत्तियों की रक्षा और अमेरिका के दायित्वों का जिक्र करते हुए कहा, नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, अमेरिका ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है। सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमेरिका ने संपत्तियों की रक्षा के अपने दायित्वों की भी अवहेलना की है।

बकौल अरब लीग प्रमुख फहमी, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र पर ईरान के हमलों की बढ़ती गति उसके आक्रामक दृष्टिकोण को दिखाती है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, इसे बर्दाश्त या स्वीकार नहीं किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की। यूएई ने कहा कि ये शत्रुतापूर्ण कार्रवाई 'भाईचारे वाले देशों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन' हैं। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए यूएई ने कहा, ये हमले उनकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं। यूएई ने आत्मरक्षा के सभी उपायों का समर्थन करने की बात भी कही।

कुवैत में बिजली और पानी से जुड़े नेटवर्क को सीधे निशाना बनाए जाने का जिक्र करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमले सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुके हैं। दोहा ने कहा, ईरान के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। कतर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2817 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा, मौजूदा सैन्य अभियान उकसावा है जो खतरनाक तरीके से आगे बढ़ रहा है। इससे तनाव को नियंत्रित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर चुके कतर ने एक बार फिर दोनों पक्षों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करते हुए राजनयिक वार्ता बहाल करने की अपील भी की। मिस्र ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाना बनाने वाली ईरानी आक्रामकता की निंदा करते हुए कहा, इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है। कुवैत ने भी तेल संयंत्रों, बिजली स्टेशनों और जल संयंत्रों पर ईरानी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका से शांति समझौता खत्म?: ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की धमकी, कहा-सिखाएंगे कभी न भूलने वाला सबक गौरतलब है कि करीब 110 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है।

## ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं': शांति समझौता टूटने पर भड़के मोजतबा खामेनेई, दे डाली ये धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन किया है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नही है। यह पूरी तरह से बेकार और अमान्य हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, खामेनेई ने देश की जनता के नाम भेजे एक संदेश में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने समझौते को तोड़कर अपना असली और बेनकाब चेहरा दिखा दिया है। यह अमेरिका के झूठ, अतार्किक, अविश्वसनीय और बुरे स्वभाव का एक और ठोस सबूत है। इसके साथ ही खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने युद्ध भड़काने की कोशिशें जारी रखीं, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगा। यह तनाव उस शांति समझौते के बावजूद बढ़ा है, जिसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए बातचीत करनी थी। इस समझौते पर 18 जून को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे।

ईरान के कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने शनिवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने इस समझौते के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर समझौते के सभी वादों को तोड़ने या निलंबित करने का आरोप लगाया। गरीबाबादी ने साफ किया कि अब बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान का पूरा ध्यान अपनी रक्षा करने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का करारा जवाब दिया जा चुका है और अमेरिका को समझदारी दिखाते हुए दूसरा रास्ता चुनना चाहिए। बता दें कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर कई हवाई हमले किए हैं। अमेरिका का दावा है कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए किए गए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। शनिवार को कुवैत और बहरीन ने बताया कि उनके हवाई रक्षा तंत्र ने ईरान के हवाई हमलों को रोका है। इन हमलों में कुवैत के एक मुख्य तेल केंद्र और बिजली उत्पादन व पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

## सैनिकों की मौत से बौखलाया अमेरिका, ईरान को सजा देने के लिए नए सिरे से हवाई हमले

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के हमले में अपने सैनिकों की मौत से बौखलाए अमेरिका ने नए सिरे से एयर स्ट्राइक की शुरुआत की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक ईरान को दंडित करने के लिए नए सिरे से हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें ईरान और अमेरिका के टकराव से पश्चिम एशिया में उपजे तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान के एक बड़े नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक उनके सुप्रीम लीडर के तेवरों को समझ लें, तो वे एक सेकंड गंवाए बिना वहां से भाग खड़े होंगे। हाल ही में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता टूट गया है। इसके बाद से दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है, तो ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिका को 'महाशैतान' कहते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दस्तखत को पूरी तरह रद्दी बताया है। खामेनेई का कहना है कि अमेरिका कभी अपनी बात पर नहीं टिकता और हमेशा धोखेबाजी करता है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने हमले नहीं रोके, तो ईरान और उसके साथी देश अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की जा रही है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैनिकों की मौत दुखद है, लेकिन ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप के बयान को खारिज करते हुए कहा कि उनके हस्ताक्षर की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर हाल में हुए समझौते को तोड़ने का आरोप भी लगाया। कुवैत का कहना है कि ईरान के हवाई हमले में उसकी सरकारी तेल कंपनी की एक इकाई को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी बिजली और पानी के एक संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया गया था। इराक के एरबिल शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई। इसके बाद वहां हवाई सुरक्षा प्रणाली तुरंत सक्रिय कर दी गई।

## तलवार हमारी और गला आपका होगा': कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

**वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।** ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

**जनाजे में ही शुरू हुआ विरोध :** जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा। इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

**नए सर्वोच्च नेता कहां हैं:** सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी

चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

**तख्तापलट के आरोप :** ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी।

# कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

# कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

**कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।**

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

# प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

## मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

# अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

# 23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

**साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।**

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी फ्लिम 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलापति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

# हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ''मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है।' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ''मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ''सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

# वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

## कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

## बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

# नगर पंचायत के वार्ड चार में पेयजल संकट गहराया

**जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली** : नगर पंचायत सतपुली के वार्ड संख्या चार (मल्ली) में पिछले काफी समय से पेयजल संकट गहराया हुआ है। जिस कारण वार्ड वासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने उपजिलाधिकारी सतपुली को ज्ञापन सौंपकर समस्या के निराकरण की मांग की है।

## नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

सोमवार को उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण कार्य के दौरान भारी मशीनों की आवाजाही एवं खुदाई के कारण पेयजल पाइपलाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है। इससे वार्ड के लोगों को नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिस कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस संबंध में कई बार संबंधित विभागों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएं, ताकि वार्ड-4 के निवासियों को नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में संजय सिंह, अमित रावत, कल्याण सिंह, जयदीप नेगी, डब्बल सिंह, काजू सिंह, रिंकू, सुनीता देवी, मीना देवी आदि शामिल थे।

### तीन दिन से सतपुली में पेयजल किल्लत

सतपुली : नगर पंचायत सतपुली में पिछले तीन दिनों से पेयजल संकट बना हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सामाजिक कार्यकर्ता व पीएलबी पुष्पेंद्र राणा ने समस्या के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी सतपुली रेखा आर्य से वार्ता की। उपजिलाधिकारी ने तत्काल जल संस्थान पौड़ी एवं संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रशासन की पहल के बाद उम्मीद जगी है कि जल्द ही नगर पंचायत क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

# पौड़ी के लाल डॉ. विनोद बछेती बनें भाजपा दिल्ली के प्रदेश उपाध्यक्ष

**जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी :** विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी में पौड़ी गढ़वाल के एक और होनहार सपूत को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। कोट विकासखंड के ग्राम कांडा की पावन धरती पर जन्मे डॉ. विनोद बछेती को भाजपा दिल्ली का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। डॉ. बछेती की इस नियुक्ति से कोट विकासखंड और पूरे पौड़ी जनपद में खुशी की लहर है। डॉ. बछेती की प्राथमिक शिक्षा ग्राम कांडा के प्राथमिक विद्यालय से हुई, जो आज बंद हो चुका है। इसके बाद उच्च शिक्षा उन्होंने दिल्ली में प्राप्त की। अपनी योग्यता, कुशलता और बुद्धिमता के बल पर उन्होंने अल्प समय में ही शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में ऊंचाइयां हासिल कीं। वर्तमान में देश की राजधानी दिल्ली एवं एनसीआर सहित विभिन्न राज्यों में उनके पैरामेडिकल संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा में राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवा मोर्चा, मंडल स्तर से की थी। तीन दशकों की निरंतर सेवा, निष्ठा और संगठन के प्रति समर्पण के परिणामस्वरूप आज उन्हें दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा की टीम में प्रदेश उपाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। डॉ. बछेती की इस नियुक्ति से कोट विकासखंड और पूरे पौड़ी जनपद में खुशी की लहर है। दिल्ली एनसीआर में बसे उत्तराखंड समाज के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है। शुभचिंतकों का कहना है कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि डॉ. बछेती अपनी ऊर्जा और समर्पण के साथ पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही वे देवभूमि उत्तराखंड का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करेंगे। भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड के एक कर्मठ कार्यकर्ता को यह सम्मान देकर पार्टी ने समाज का मान बढ़ाया है।

## संक्षिप्त समाचार

### 31 जुलाई तक बढ़ी इग्नू में प्रवेश की अंतिम तिथि

**जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार,** डा.एस.सी.बहुगुणा सहायक समन्वयक इग्नू अध्ययन केन्द्र कोटद्वार (2754) ने जानकारी देते हुए बताया कि जो विद्यार्थी अभी भी प्रवेश से वंचित हैं उनके लिए यह एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने सभी पात्र विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस विस्तारित अवधि का अधिकतम लाभ उठायें एवं समय रहते अपना प्रवेश अथवा पुनः पंजीकरण सुनिश्चित करें और अपने शैक्षणिक भविष्य को नई दिशा दें। इच्छुक विद्यार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट www.igYnou.ca.in पर जाकर Student Services के AdZission अनुभाग के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के ProgYrZae अनुभाग में उपलब्ध है।

### मैखुरा गांव में शराबबंदी का फैसला, ममंद गठित

कर्णप्रयाग। ब्लॉक के मैखुरा गांव में एक खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गांव में पूर्ण शराबबंदी का निर्णय लिया गया। शराबबंदी लागू करने के लिए महिला मंगल दल का गठन कर सीमा देवी को अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

ग्राम प्रधान हेमंती देवी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सार्वजनिक कार्यों में शराब परोसने या बेचने पर ममंद ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया। बैठक में गांव के लिए बन रही पंपिंग योजना, जयकंडी–मैखुरा मोटर मार्ग और मोबाइल टॉवर सहित अन्य विकास योजनाओं पर चर्चा की गई। महिलाओं ने कहा कि गांव को नशा मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें सभी ग्रामीणों का सहयोग जरूरी है। इसके बाद महिलाओं ने शराबबंदी की शपथ ली। साथ ही ममंद का गठन करते हुए कांति देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। दीपा देवी को सचिव और प्रेमलता देवी को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर उपप्रधान भगवती प्रसाद मैखुरी, देवी प्रसाद मैखुरी, महेंद्र प्रसाद डिमरी और प्रकाश चंद्र मैखुरी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

### एसडीएम व गुरुद्वारा प्रबंधक ने किया पौधरोपण

ज्योतिर्मठ। गोविंदघाट में एक पेड़ मां के नाम संकल्प अभियान के तहत वन विभाग की ओर से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ठ, गुरुद्वारा गोविंदघाट के वरिष्ठ प्रबंधक सरदार सेवा सिंह तथा घांघरिया चौकी प्रभारी अमनदीप सिंह ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं निगरानी करने का आग्रह किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और सुंदर पर्यावरण सुरक्षित रखा जा सकता है।

### बीकेटीसी कर्मचारी संघ की बैठक स्थगित

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति कर्मचारी संघ की सोमवार को प्रस्तावित बैठक को स्थगित कर दिया गया है। संघ के अध्यक्ष विजेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि वर्तमान में बदरीनाथ में चढ़ावा प्रकरण को लेकर जांच प्रक्रिया चल रही है। इसके चलते सोमवार दोपहर एक बजे प्रस्तावित संघ की वर्चुअल बैठक को स्थगित कर दिया गया है। परिस्थितियां अनुकूल होने के बाद बैठक की नई तिथि निर्धारित की जाएगी।

### भुवन बिष्ट ने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण

देवाल। गढ़वाल राइफल्स के राइफलमैन भुवन सिंह बिष्ट ने आर्मी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में 400 में से 388 अंक प्राप्त किए। यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश में 14 से 17 जुलाई तक आयोजित की गई थी। भुवन बिष्ट उत्तराखंड के देवाल विकास खंड के ल्वाणी गांव के निवासी हैं। इस चैंपियनशिप में देशभर की सैन्य इकाइयों के निशानेबाजों ने हिस्सा लिया था जिसमें से भुवन सिंह बिष्ट ने स्पर्ण पदक हासिल किया। भुवन बिष्ट ने अपनी सफलता का श्रेय प्रशिक्षकों और रेजिमेंट के सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि यह उनकी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम है। भुवन की इस कामयाबी पर उनके गांव ल्वाणी में खुशी का माहौल है। जिपंस उर्मिला बिष्ट एवं ग्रामीणों ने इस उपलब्धि पर गर्व जताया।

### सीएम के कार्यक्रम के खर्च पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

गोपेश्वर। कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष दर्शन लाल विश्वकर्मा ने 15 जुलाई को गोपेश्वर पुलिस मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम पर हुए खर्च का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यक्रम में टेंट, पंडाल, फूलों और अन्य व्यवस्थाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए जो जनता के धन की बरबादी है। सरकार अपनी छवि चमकाने के लिए सरकारी खजाने का दुरुपयोग कर रही है जबकि इससे जनता को कोई लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इतनी राशि से कई विकास कार्य किए जा सकते थे। साथ ही आरोप लगाया कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट की कमी बताती है लेकिन ऐसे आयोजनों पर खुलकर खर्च कर रही है।

# आमजन की समस्याओं का समाधान ही सुशासन का मूल आधार : डीएम

## जन संवाद कार्यक्रम में डीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं, 12 शिकायतों का मौके पर हुआ निस्तारण

**जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग :** जनपद रुद्रप्रयाग में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन-प्रशासन को जनता के और अधिक निकट लाने के उद्देश्य से सोमवार को जिला सभागार में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने एक-एक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश ि दए.जन संवाद कार्यक्रम के दौरान कुल 21 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान गिंवाड़ी गांव निवासी अनूप भट्ट ने अवगत कराया कि भूस्खलन के कारण उनके आवासीय भवन का पुश्ता ढह गया है, जिससे भवन को नुकसान पहुंचने तथा किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाड़व के शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष फते सिंह नेगी ने सड़क से विद्यालय तक पहुंच मार्ग तथा विद्यालय भवन की क्षतिग्रस्त सीढ़ियों के मरम्मत एवं पुनर्निर्माण की मांग रखी। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को प्रस्ताव तैयार कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन संवाद कार्यक्रम में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण करते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान ही सुशासन का मूल आधार है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आशीष रावत, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संदीप भट्ट, मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चौधरी, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, जिला युवा कल्याण अधिकारी वरद जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी केएस कोहली, प्रभारी शिकायत निवारण केंद्र विनोद कुमार, जल संस्थान, जल निगम, लोनिवि, एन एच, पीएमजीएसवाई, सिंचाई, उद्यान, समाज कल्याण, बाल विकास, सेवायोजन विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी व शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

# यमुनोत्री हाईवे : जगह–जगह पहाड़ी से गिर रहा है मलबा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह–जगह पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिर रहे हैं जिससे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर ही रुकने की सलाह दी है। साथ ही धाम जा रहे यात्रियों व वाहनों को जगह–जगह रोक दिया गया है। यमुनोत्री धाम की ओर जा रहे श्रद्धालुओं और यात्रा वाहनों को बड़कोट, खरादी, पाली गाड़, स्यानाचट्टी सहित कई स्थानों पर सुरक्षित रोक दिया गया। वहीं, यमुनोत्री से लौट रहे श्रद्धालुओं को जानकीचट्टी में रोका गया। प्रशासन ने बारिश के बीच यात्रियों से सुरक्षित स्थानों पर रहने को कहा। सोमवार तड़के यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्यानाचट्टी से दुर्बिल के बीच तीन से चार स्थानों पर पहाड़ी से भारी मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया था। मार्ग बंद होने के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग बड़कोट की टीम जेसीबी और अन्य मशीनों के साथ मौके पर पहुंची। टीम ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद मलबा और बोल्डर हटाकर मार्ग को यातायात के लिए सुचारू कर दिया। इसके बाद दोनों ओर फंसे वाहनों की आवाजाही सामान्य हो सकी। वहीं, गंगोत्री हाईवे पर डबरानी के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने के कारण कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ लेकिन जल्द ही मार्ग खोल दिया गया। इसके बाद गंगोत्री धाम की यात्रा निर्बाध रूप से चलती रही। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि यमुनोत्री हाईवे पर लगातार बोल्डर गिरने की स्थिति को देखते हुए शासन के निर्देश पर यात्रा स्थगित की गई है।

# आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच पर सख्ती

उत्तरकाशी। आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, लिंगानुपात सुधार और कन्या भ्रूण संरक्षण के लिए जिले के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर सख्त निगरानी रखी जाएगी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) एवं पीसीपीएनडीटी सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक में इन दोनों मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग और आईसीडीएस को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान प्रत्येक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की शत–प्रतिशत उपस्थिति तय की जाए। जांच में चिन्हित बच्चों को समयबद्ध उपचार के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी संबंधित अध्यापकों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की तय होगी।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.एस. रावत ने बताया कि जिले में पांच सरकारी और दो निजी अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालित हैं। जिलाधिकारी ने सभी अल्ट्रासाउंड मशीनों में एक्टिव ट्रैकर लगाने, केंद्रों का नियमित निरीक्षण, अभिलेखों की गहन जांच और कानून का कड़ाई से पालन कराने को कहा। साथ ही कन्या भ्रूण हत्या रोकने और बेटी बचाओ के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर भी विशेष जोर दिया।

# चेक बाउंस में आठ माह के साधारण कारावास की सजा

गोपेश्वर। चेक बाउंस के मामले में सिविल जज (जूनियर डिविजन) एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट हिना कौसर की अदालत ने आरोपी को आठ माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10 लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

मामला अप्रैल 2025 का है। गोपेश्वर के विशाल बर्त्वाल ने अदालत में शिकायत दी थी कि आरोपी ने उधार लिए गए 10 लाख रुपये लौटाने के लिए 30 अप्रैल 2025 का चेक दिया था। बैंक में प्रस्तुत करने पर चेक बाउंस हो गया। इसके बाद उन्हें विधिक नोटिस भेजे गए लेकिन भुगतान नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान आरोपी ने चेक पर हस्ताक्षर अपने होने की बात स्वीकार की लेकिन लेनदेन से इन्कार किया। न्यायालय ने पाया कि आरोपी के अलग–अलग बयानों में विरोधाभास था और उसने अपने बचाव में कोई साक्ष्य पेश नहीं किया। अदालत ने आरोपी धन सिंह रावत निवासी मंदिर मार्ग, गोपेश्वर, जिला चमोली को दोषी ठहराते हुए आठ माह के साधारण कारावास सजा सुनाई। साथ ही 10 लाख 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

# बरसाती गदेरा उफानाया, खेतों में भरा मलबा

पोखरी (चमोली)। विकास खंड के बिनगढ़ गांव में रविवार रात हुई मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज बारिश के बाद गांव के समीप बहने वाला बरसाती गदेरा उफान पर आ गया। इसने कई सिंचित और असिंचित खेतों को बहा दिया, जबकि अनेक खेतों में भारी मात्रा में मलबा भर गया। इससे खेतों में लगी धान की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। निचला तोक से गढ़खेत तक कई कृषि भूमि मलबे में दब गई है। इसके अलावा सिंचाई नहर और मनरेगा से पानी के भंडारण के लिए निर्मित दो हौज भी बह गए, जिससे ग्रामीणों की सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पोखरी–कर्णप्रयाग सड़क सुधारीकरण के दौरान लोक निर्माण विभाग ने झिलिड़िया क्षेत्र में बनाए गए डंपिंग जोन के कारण गदेरे में मलबा जमा हो गया। इसी वजह से बारिश के दौरान मलबा खेतों तक पहुंचा और नुकसान कई गुना बढ़ गया। ग्राम प्रधान ममता चौहान, पूर्व प्रधान हर्षवर्धन चौहान सहित अन्य ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन भेजकर क्षेत्र का निरीक्षण कराने और प्रभावित काश्तकारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। तहसीलदार रामकिशोर ध्यानी ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से शिकायत प्राप्त हुई है। राजस्व उपनिरीक्षक को मौके पर भेजकर नुकसान का आकलन करने और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

# रुद्रप्रयाग में शुरू हुआ एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान

**जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग :** जनपद रुद्रप्रयाग में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ज्ञान संवर्धन को बढ़ावा देने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने एक पुस्तक दान करें, ज्ञान का वृक्ष लगाएं अभियान का शुभारंभ करते हुए स्वयं एक पुस्तक दान कर इस अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार हरेला पर्व पर पौधारोपण कर प्रकृति को समृद्ध बनाने का संकल्प लिया जाता है, उसी प्रकार पुस्तक दान कर समाज में ज्ञान का प्रसार भी किया जा सकता है। एक अच्छी पुस्तक न केवल किसी व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का माध्यम भी बनती है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी पसंद की कम से कम एक पुस्तक दान करे तो जनपद में ज्ञान का एक विशाल भंडार तैयार किया जा सकता है, जिसका लाभ विद्यार्थी, युवा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी तथा आम नागरिकों को लंबे समय तक मिलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि पुस्तकों का महत्व समय के साथ कभी कम नहीं होता। पुस्तकें ज्ञान, संस्कार, अनुभव और विचारों की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी समाज का मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल पुस्तक दान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने, ज्ञान साझा करने तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का एक प्रयास है। उन्होंने जनपद के सभी विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, आम नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक उपयोगी एवं प्रेरणादायी पुस्तक अवश्य दान करे। उन्होंने कहा कि यह छोटा-सा योगदान किसी जरूरतमंद विद्यार्थी के भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। समाज के सामूहिक प्रयासों से यह अभियान निश्चित रूप से जन आंदोलन का रूप लेगा और जनपद में ज्ञान के प्रति नई चेतना का संचार होगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, जिला विकास अधिकारी मनविंदर कौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी संदीप भट्ट, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट, जिला पूर्ति अधिकारी के.एस. कोहली, जिला समाज कल्याण अधिकारी टी.आर. मलेठा, उपजिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत आदि मौजूद थे।


**जयन्त**

**संस्थापक :** नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

**सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।**

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

# रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

## इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

**लंदन।** इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

## रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

# कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

**नई दिल्ली।** लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनो से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान मे रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओ की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

# संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

**नई दिल्ली।** भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

## संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

**संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला–** फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

# टूट गए लियोन मेसी

## स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

**नई दिल्ली (एजेंसी)** मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

**स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी-** एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

**अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी-**बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

### ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

### मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

### मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

# एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

# स्पेन बना विश्व विजेता

## फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

**नई दिल्ली।** लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

### स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

# अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

## लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

### स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।